

19th March, 2025

BSE Limited

Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street,
Mumbai-400 001

National Stock Exchange of India Limited

Exchange Plaza, Plot No. C/1,
G Block, Bandra – Kurla Complex,
Bandra (East),
Mumbai 400 051

Scrip Code: **507779**

Trading Symbol: **KANPRPLA**

Sub.: Submission of newspaper publication- Notice of Postal Ballot and E-Voting

Dear Sir,

Pursuant to Regulation 30(1) of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations 2015, please find enclosed herewith copies of notice published in newspaper under Section 110 of the Companies Act, 2013 read with Rule 20 and 22 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 regarding Postal Ballot and E-voting. The same was published in the Business Standard all editions Hindi and English today i.e. on 19/03/2025.

This is in continuation of our intimation dated 11/03/2025 & 18/03/2025, in this regard. Please take the same on record and oblige.

Thanking you,

Yours Faithfully,

For **Kanpur Plastipack Limited**

(Ankur Srivastava)
Company Secretary

Manufacturers & Exporters:

Flexible Intermediate Bulk Container (FIBC) | PP Multifilament Yarn | UV Master Batches | Fabrics | CPP Films
CIN: L25209UP1971PLC003444



नकद कारोबार घटा, मार्जिन खाते सिकुड़े

विश्लेषकों का मानना है कि शेयर बाजार में स्थिरता के साथ इसमें रिकवरी लौटेगी

खुशबू तिवारी
मुंबई, 18 मार्च

पिछले नौ महीनों में बाजार में कमजोर मनोबल के कारण नकदी बाजार की मात्रा और मार्जिन ट्रेडिंग खातों में लगातार गिरावट आई है। जून 2024 में अपने सर्वोच्च स्तर से कैश मार्केट वॉल्यूम में 45 फीसदी की गिरावट आई है जबकि मार्जिन खाते (जिसका इस्तेमाल कारोबारी शेयर खरीद के लिए करते हैं) सितंबर 2024 के अपने उच्चतम स्तर से 16 फीसदी नीचे आ गए हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि इस गिरावट के कारण पस्त मनोबल और नियामकीय परिवर्तन दोनों हैं। इस वजह से ऑप्शन प्रीमियम के वॉल्यूम में भी कमी आई है। विशेषज्ञों ने चेताया है कि मार्जिन खातों में सिकुड़न और लेवरेज में कमी से बाजार में तरलता और निवेशक भागीदारी को लेकर चिंताएं बढ़ सकती हैं।

हालांकि इस महीने शेयर कीमतों में थोड़ी बहाली हुई है लेकिन नकदी बाजार में रोजाना का औसत कारोबार मासिक आधार पर 3 फीसदी घटा है। यह लगातार गिरावट का तीसरी महीना है। आईसीआईसीआई सिक्क्योरिटीज की एक रिपोर्ट में कहा गया है, एनएसई में नकदी में कारोबार का घटना जारी रहा और मार्च के पहले दो सप्ताह में रोजाना का औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम (एडीटीवी) 5.7 फीसदी घटा जबकि

ज्यादातर भारतीय लंबी अवधि के निवेशक

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यधिकारी (सीईओ) आशीष कुमार चौहान ने कहा है कि ज्यादातर भारतीय लंबी अवधि के निवेशक हैं। उन्होंने कहा कि 11 करोड़ बाजार प्रतिभागियों में केवल दो फीसदी ही सक्रिय रूप से वायदा-विकल्प में कारोबार करते हैं। इससे देश में अनुशासित, टिकाऊ निवेश की बढ़ती संस्कृति का संकेत मिलता है।

उन्होंने कहा, 11 करोड़ बाजार प्रतिभागियों में केवल दो फीसदी ही सक्रिय रूप से वायदा-विकल्प में कारोबार करते हैं। अधिकांश दीर्घकालिक निवेश के लिए

प्रतिबद्ध हैं। सिंगापुर में हाल ही में एक समूह चर्चा में उन्होंने इस धारणा को खारिज किया कि भारत का शेयर बाजार मुख्य रूप से सट्टा व्यापार से प्रेरित है।

एनएसई ने एक बयान में कहा कि इस दौरान चौहान ने उभरते वित्तीय प्रदूश्य, प्रौद्योगिकी संचालित पूंजीवाद के उदय और वैश्विक बाजारों की बढ़ती जटिलताओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वित्तीय स्थिरता पर पारंपरिक नजरिये को फिर से परिभाषित किया, जिसके मुताबिक अस्थिरता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति की एक अंतर्निहित विशेषता है।

भाषा

बीएसई में वॉल्यूम स्थिर रहा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑप्शन प्रीमियम में गिरावट नियमन लागू होने से पहले ही हो गई थी। इसके साथ-साथ नए एीसट खातों में कमी आई और सक्रिय ट्रेडरों की संख्या भी घटी। मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा (एमटीएफ) वॉल्यूम (जो ट्रेडरों को प्रतिभूतियां खरीदने के लिए ब्रोकरों से उधार की सुविधा देता है) भी फरवरी की तुलना में इस महीने 3 फीसदी से अधिक नीचे आया है।

शेयर के मूल्य के एक हिस्से के अग्रिम भुगतान के बाद निवेशक एमटीएफ के लिए

पात्र हो जाते हैं। इस में ब्रोकर ब्याज पर शेष राशि देते हैं। हालांकि, बाजार की अनिश्चितता ने इस लेवरेज के प्रति ट्रेडरों की इच्छा कम कर दी है।

हेज्ड डॉट इन के सीईओ राहुल घोष ने कहा, सिकुड़ते मार्जिन खातों से जोखिम उठाने की इच्छा में बदलाव का पता चलता है। बाजार में गिरावट के दौरान व्यापारी मार्जिन मोजीशन के बीच देते हैं जो या तो ज्यादा मार्जिन मांग के कारण या अपनी इच्छा से जोखिम सीमित करने के लिए की जाती है।

उन्होंने कहा कि एक बार स्थिरता वापस

आने के बाद ऐसे दौर ज्यादा टिकाऊ, बुनियादी बातों से प्रेरित सहभागिता को बढ़ावा दे सकते हैं। जबकि पारंपरिक ब्रोकर मजबूत एमटीएफ लोन बुक पर निर्भर रहते हैं। ग़्रो और जीरोधा जैसे डिस्काउंट ब्रोकरों ने डेरिवेटिव आय पर नियामकीय दबाव को कम करने के लिए पिछले साल ही यह सुविधा शुरू की थी।

ऊंची ब्याज दरों ने खुदरा निवेशकों को सतर्क बना रखा है जिससे खरीदारी सीमित हुई है। उद्योग के एक सूत्र ने बताया, एमटीएफ से निवेशकों को गिरावट के दौरान औसत लागत नीचे लाने में मदद मिलती है, लेकिन उधार लेने की लागत ने डिस्काउंट ब्रोकरेज ग्राहकों में सहभागिता को रोक दिया है।

बोनान्जा समूह के वरिष्ठ तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक कुणाल कांबले ने कहा, अक्टूबर से मुनाफावसूली और स्मार्ट मनी निकासी ने मंदी की भावना को बढ़ावा दिया है। बाजार में गिरावट के कारण घाटा हुआ है, जिससे कारोबारियों की आक्रामक तरीके से दोबारा प्रवेश की इच्छा घटी है और इससे कुल मिलाकर तरलता प्रभावित हुई है।

उन्होंने कहा कि साप्ताहिक सूचकांक एक्सपायरी को सीमित करने जैसी नियामकीय पाबंदियों ने भी एमटीएफ वॉल्यूम और कम कर दिया है, जिससे एक्सपायरी संचालित मार्जिन गतिविधियों से जुड़े ब्रोकरेज के राजस्व पर असर पड़ा है। विश्लेषक आशावादी बने हुए हैं और उन्हें यकीन है कि बाजार में भरोसा बहाल होने पर वॉल्यूम में फिर से उछाल आ सकती है।

इंडसइंड बैंक का शेयर ‘सस्ता’: बर्न्सटीन

बीएस संवाददाता
मुंबई, 18 मार्च

इंडसइंड बैंक के शेयर में इस महीने 30 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है और यह अपनी महज 0.8 गुना की बुरक वैल्यू पर कारोबार कर रहा है। बर्न्सटीन के अनुसार इस हिसाब से उसका मूल्यांकन ‘सस्ता’ है। ब्रोकरेज फर्म ने इस शेयर के लिए अपना कीमत लक्ष्य 1,300 रुपये से घटाकर 1,000 रुपये कर दिया है जिससे अभी भी इसमें मौजूदा स्तर से 47 फीसदी तेजी की संभावना दिखती है। बर्न्सटीन ने इंडसइंड बैंक का मूल्यांकन वित्त वर्ष 2026 के लिए उसकी अनुमानित बुक वैल्यू के 1 गुना पर किया है। बर्न्सटीन ने ऐसे प्रमुख जोखिमों के बारे में बताया है जिन पर निवेशकों को इन स्तरों पर बाजार में प्रवेश करने से पहले विचार करना चाहिए।

ब्रोकरेज फर्म के विश्लेषक प्रणव गुंडलापल्ले की रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक में प्रवर्तक समूह की 15 प्रतिशत हिस्सेदारी है और इसमें से 50 फीसदी शेयर गिरवी रखे हुए हैं। इसके अलावा, प्रवर्तक समूह की ओर से जारी मौजूदा विलय-अधिग्रहण सौदे से हालात और ज्यादा जटिल हुए हैं। ब्रोकरेज का कहना है कि शेयर भाव में तेज गिरावट के बावजूद गिरवी शेयरों में सीमित बढ़ोतरी से कुछ हद तक ये चिंताएं कम हुई हैं।

ब्रोकरेज फर्म ने शेयर के लिए अपना कीमत लक्ष्य 1,300 रुपये से घटाकर 1,000 रुपये किया

बर्न्सटीन की दूसरी अहम चिंताओं में प्रबंधन की विश्वसनीयता और जमा राशियों के बाहर निकलने की आशंकाएं शामिल हैं। बर्न्सटीन की रिपोर्ट में कहा गया है, ‘परिसंपत्ति गुणवत्ता के मसले, लेखांकन समस्याओं और बैंक की परेशानियों से पहले प्रबंधन की ओर से हिस्सा बिक्री (जून 2023 से जून 2024 तक सीईओ और डिप्टी सीईओ के शेयर स्वामित्व में भारी गिरावट) ने प्रबंधन में भरोसा खत्म कर दिया, जिससे नए नेतृत्व की नियुक्ति तत्काल जरूरत बन गई है।’

थोक जमाओं पर बैंक की ज्यादा निर्भरता ने भी बड़ी जमा निकासी का जोखिम बढ़ा दिया है, जो अकाउंटिंग के बड़े मसलों से जुड़ी हुई है। ब्रोकरेज ने कहा है कि हालांकि आरबीआई का बयान इनमें से कुछ चिंताओं को दूर करने में मदद कर सकता है, लेकिन इससे बैंक के एक दुष्क्रम में फंसने का जोखिम भी बढ़ा है, जो गिरवी रखे गए शेयरों के मामले की तरह है। बर्न्सटीन का कहना है कि बैंक की रिकवरी के लिए सामान्य तीन साल के कार्यकाल वाले सीईओ की नियुक्ति जरूरी है।

डेरिवेटिव घाटे की वजह से इंडसइंड बैंक की उधारी लागत बढ़ी

सोमवार को इंडसइंड बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधि

जामा पत्र जारी करके 11,000 करोड़ रुपये जुटाए

अंजलि कुमारी
मुंबई, 18 मार्च

डेरिवेटिव नुकसान और क्रेडिट असेसमेंट डाउनग्रेड की आशंकाओं के बीच इंडसइंड बैंक की उधारी लागत एक सप्ताह में 15 आधार अंक तक बढ़ गई। सोमवार को इंडसइंड बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधियों के जमा पत्र (सीडी) जारी करके 11,000 करोड़ रुपये जुटाए जिनकी कूपन दरें 7.80 प्रतिशत से 7.90 प्रतिशत के बीच थीं। इसमें 7.9 फीसदी की दर से 12 महीने के सीडी के जरिए जुटाए गए 2000 करोड़ रुपये भी शामिल हैं।

क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) के आंकड़ों के अनुसार पिछले हफ्ते बैंक की ओर से अपने सीडी पर पेश दरों की तुलना में यह 15 आधार अंक की वृद्धि है। बैंक ने 10 मार्च को 7.75 फीसदी की कूपन दर से 12 महीने के सीडी जारी कर 1,890 करोड़ रुपये जुटाए थे।

दूसरी तरफ एचडीएफसी बैंक, आरबीएल बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बैंकों की ओर से जारी सीडी पर दरें पूर्ववर्ती सप्ताह के मुकाबले अपरिवर्तित बनी रही। इंडियन बैंक ने 7.57 फीसदी की दर पर 12 महीने की परिपक्वता वाले सीडी जारी किए जबकि पिछले सप्ताह यह दर 7.61 फीसदी थी।

सीसीआईएल के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को इंडसइंड बैंक की ओर से सीडी के माध्यम से जुटाई गई धनराशि उसी दिन सभी बैंकों की तरफ से जारी कुल 27,140 करोड़ रुपये के सीडी से 40 प्रतिशत से अधिक थी। बैंक द्वारा जमा पत्रों के जरिये पैसा जुटाने पर ऐसे समय में जोर दिया जा रहा है जब वह अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत बनाने की दिशा में सक्रियता से

काम कर रहा है। 9 मार्च, 2025 तक बैंक का तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) 113 प्रतिशत तक गिर गया, जबकि दिसंबर के अंत में यह 118 प्रतिशत था। एलसीआर 100 प्रतिशत की नियामकीय जरूरत से ऊपर रहा।

जमाओं की लागत बढ़ने से चालू तिमाही में बैंक के शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) पर दबाव बढ़ गया। बैंक का एनआईएम चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के 4.25 फीसदी से घटकर दूसरी तिमाही में 4.08 फीसदी और तीसरी में 3.93 फीसदी रहा है। बर्न्सटीन की एक रिपोर्ट में कहा गया है, ‘थोक जमाओं पर अत्यधिक निर्भरता के कारण बैंक को जमा राशि की तेज निकासी का खतरा है, जो लेखांकन समस्याओं की आशंका के कारण गहरा सकती है।’

शनिवार को आरबीआई ने एक बयान जारी कर जमाकर्ताओं से अपील की थी कि बैंक पर अटकलबाजी वाली रिपोर्टों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं है।

बीएस

पेटीएम मनी को मिली मंजूरी

सेबी ने वन97 कम्युनिकेशंस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई पेटीएम मनी को रिसर्च एनालिस्ट के तौर पर पंजीकरण का प्रमाणपत्र जारी किया है। पेटीएम का शेयर मंगलवार को बीएसई पर 7.79 फीसदी चढ़कर 742.45 रुपये पर बंद हुआ। पेटीएम की इकाई अब बाजार नियामक के मानदंडों, शोध रिपोर्टों और विश्लेषण के अनुरूप शोध सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, ‘यह उपलब्धि पेटीएम मनी के निवेश तंत्र में अपनी पेशकश का विस्तार करने, उपयोगकर्ता अनुभव बढ़ाने के उद्देश्य के अनुरूप है।

बीएस

APPOINTMENTS

विज्ञापन संख्या	23 / 2025
भारत सरकार	
लोक उद्यम चयन बोर्ड	
एनएमडीसी लिमिटेड	
मे	
निदेशक (वित्त)	
पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता हैं।	
आवेदकों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि	
14 अप्रैल, 2025 (15.00 बजे तक) है।	
नोडल अधिकारियों द्वारा आवेदनों को	
लोक उद्यम चयन बोर्ड में अग्रेषित करने की अंतिम तिथि	
23 अप्रैल, 2025 (17.00 बजे तक) है।	
जानकारी के लिए वेबसाइट	
https://pesb.gov.in	
में लॉग इन करें।	

उत्पादन में कमी से बढ़ी चीनी शेयरों की मिठास

दीपक कोरगांवकर
मुंबई, 18 मार्च

तीन प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों- महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश- में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका के कारण मंगलवार के कारोबारी सत्र में बीएसई पर चीनी कंपनियों के शेयरों में 20 फीसदी तक की उछाल आई। एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक भारत का चीनी उत्पादन इस सीजन में अभी तक 16.13 फीसदी घटकर 2.37 करोड़ टन रह गया है।

इस बीच, नैशनल फेडरेशन ऑफ फॉर्परटिव शुगर फैक्टरीज (एनएफसीएसएफ) ने अनुमान लगाया है कि 2024-25 के चालू सीजन में देश का कुल चीनी उत्पादन पिछले सीजन के 3.19 करोड़ टन से कम होकर 2.59 करोड़ टन रह सकता है। यह एक अन्य उद्योग संस्था - इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्सा) के जारी आंकड़ों से अलग है जिसका सीजन के लिए पहला अनुमान 2.722 करोड़ टन था।

एनएफसीएसएफ के आंकड़ों के अनुसार भारत के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन चालू सीजन में 15 मार्च तक घटकर 78.6 लाख टन रह गया, जबकि एक साल पहले यह 1.00 करोड़ टन था।

उत्तम शुगर मिल्स के शेयर बीएसई पर 20 प्रतिशत ऊपरी सर्किट के साथ 230.75 रुपये पर बंद हुए। इसकी वजह इंडिया रेंटिंग्स ऐंड रिसर्च का यह अनुमान रहा जिसमें कहा गया था कि कंपनी एबिटा वित्त वर्ष 26 में टीक होने की संभावना है और इसे चीनी और एथेनॉल की बिक्री में इजाफे, चीनी की कीमतों में तेजी के साथ-साथ परिचालन दक्षता में सुधार के लिए पूंजीगत खर्च से मदद मिलेगी।

रेंटिंग एजेंसी ने एक नोट में कहा, वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीने में एथेनॉल की बिक्री 4.55 करोड़ लीटर (वित्त वर्ष 2024 की समान अवधि में 4.68 करोड़ लीटर) पर स्थिर रही। एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025 के पहले दो चक्रों में आवंटन काफी अधिक है, जो सरकार द्वारा चीनी को एथेनॉल में बदलने पर लगे प्रतिबंध हटाने के बाद फिर से सुधार का संकेत देता है।

हालांकि कम रिकवरी की वजह से वित्त वर्ष 25 में उत्पादन में कमी आ सकती है, लेकिन इंडिया रेंटिंग्स को उम्मीद है कि कम चीनी बिक्री को देखते हुए शुद्ध कार्यशील पूंजी पर असर होगा। इसके साथ ही कम एबिटा की वजह से वित्त वर्ष 25 में शुद्ध लेवरेज में वृद्धि हो सकती है। इन्वेंट्री में धीरे-धीरे कमी और एबिटा में रिकवरी के साथ वित्त वर्ष 26 में शुद्ध लेवरेज में सुधार की संभावना है।

वैयक्तिक शेयरों की बात करें तो कारोबारी सत्र के दौरान मगध शुगर ऐंड एनर्जी 14 फीसदी बढ़कर 585 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद अवध

जरूरत पड़ी तो इंडसइंड में पूंजी डालेंगे प्रवर्तक

पृष्ठ-1 का शेष

आईआईएचएल के चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने कहा, ‘रिपोर्ट आने के बाद बैंक का बोर्ड उसकी समीक्षा करेगा और फिर इस बात पर निर्णय लेंगे कि इसके पीछे कौन जिम्मेदार है, क्या यह एक व्यक्ति था, दो व्यक्ति या ये यह चूक थी। हम अभी इस बारे में कुछ नहीं जानते।’ आईआईएचएल को बैंक में अपनी हिस्सेदारी 15 फीसदी से बढ़ाकर 26फीसदी करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। हालांकि उन्हें अभी भी नियामक से अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

इस बीच हिंदुजा ने कहा कि आईआईएचएल द्वारा रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण पूरा हो गया है और अंतिम किस्त ऋणदाताओं की समिति को हस्तांतरित की जा चुकी है। एनसीएलटी ने फरवरी 2024 में अनिल धीरूभाई अंबानी अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कैपिटल के अधिग्रहण के लिए आईआईएचएल की योजना को मंजूरी दी थी। अधिग्रहण से आईआईएचएल को आरकैप की 42 इकाइयों का नियंत्रण मिलेगा, जिसमें रिलायंस निर्माण लाइफ इश्योरेंस, रिलायंस जनरल इश्योरेंस, रिलायंस सिक्क्योरिटीज और रिलायंस ऐसेट रिकस्ट्रक्शन सहित प्रमुख सहायक कंपनियां शामिल हैं।



■ **प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका से मंगलवार के कारोबारी सत्र में बीएसई पर चीनी कंपनियों के शेयरों में 20 फीसदी तक की उछाल आई**

■ **भारत का चीनी उत्पादन मौजूदा सीजन में 16.13 फीसदी घटकर 2.37 करोड़ टन रह गया है।**

■ **उत्तम शुगर मिल्स के शेयर बीएसई पर 20 प्रतिशत ऊपरी सर्किट 230.75 रुपये पर बंद हुए**

■ **वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीने में एथेनॉल की बिक्री 4.55 करोड़ लीटर पर स्थिर रही**

शुगर ऐंड एनर्जी (10 फीसदी बढ़कर 429.5 रुपये), डालमिया भात शुगर ऐंड इंडस्ट्रीज (9 फीसदी बढ़कर 344.50 रुपये), मवाना शुगर (7 फीसदी बढ़कर 89.2 रुपये), द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज (7 फीसदी बढ़कर 39.2 रुपये), श्री रेणुका शुगर (5 फीसदी बढ़कर 28.6 रुपये), त्रिवेणी इंजीनियरिंग (5 फीसदी बढ़कर 386.3 रुपये) और बलरामपुर चीनी मिल्स (6.7 फीसदी बढ़कर 509.6 रुपये) का स्थान रहा। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स का कारोबारी सत्र के दौरान उच्चतम स्तर 1.6 फीसदी की बढ़त के साथ 75,385 रहा।

चीनी की कीमी रिकवरी को देखते हुए चीनी सीजन 2025 में भारत का चीनी उत्पादन पिछले अनुमान के साथ-साथ सालाना उत्पादन के मुकाबले कम रहने की संभावना है। उच्च स्थिर लागत की भरपाई के लिए चीनी मिलें कीमतों बढ़ा रही हैं। मार्च तिमाही में अब तक प्रमुख राज्यों में चीनी की कीमतें तिमाही आधार पर 7 से 9 फीसदी बढ़ी हैं। लिहाजा, जेएम फाईनैशियल इस्टिड्युशन्सल सिक्क्योरिटीज के विश्लेषकों का मानना है कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में चीनी खंड में लाभप्रदता मजबूत रहने की संभावना है। ब्रोकरेज के विश्लेषकों के अनुसार ये चीनी मिलें इन ऊंचे स्तरों पर डिस्टिलरी डिविजन को एथेनॉल स्थानांतरित करेंगी।



KANPLAS PULSTPACK LTD

कानपुर प्लास्टिपैक लिमिटेड

सी.आई.एन. : L25209UP1971PLC003444

पंजीकृत कार्यालय- डी-19-20, पनकी इण्डस्ट्रियल एरिया, कानपुर-208022

फ़ोन न०- 0512-2691113-6 फ़ैक्स न० - 0512-2691117

ईमेल : secretary@kanplas.com वेबसाइट : www.kanplas.com

पोस्टल बैलट और ई वोटिंग की सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि, कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 110 और अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हो, के साथ—साथ कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 और 22 के अनुसार, (नियम) और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचिदाता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 (सूचिदाता विनियम) और इनके पुनः प्रकटीकरण, यदि कोई हो, के अनुसार सूचना में दिये गए आयोजन हेतु कम्पनी अपने शेयरधारकों की अनुमति पोस्टल बैलट / ई-वोटिंग के माध्यम से अनुमोदित कर रही है।

पोस्टल बैलट की सूचना और ई-वोटिंग की जानकारी सभी शेयरधारकों को जो कि **7 मार्च 2025 (कट-ऑफ डेट)** को कम्पनी के शेयरधारक थे वस्तुगत तथ्यों के साथ ई-मेल से 18 मार्च 2025 को भेजी जा चुकी है। जिन शेयरधारकों की ई—मेल आईडी कम्पनी के पास पंजीकृत नहीं है उन्हें उपरोक्त पोस्टल बैलट फॉर्म के साथ पंजीकृत पते पर भेजा जा चुका है। उपरोक्त दस्तावेज कम्पनी की वेबसाइट www.kanplas.com से प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त दस्तावेज स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.nseindia.com व एनएसडीएल की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com से भी प्राप्त की जा सकती है।

कम्पनी एकट धारा 2013 की धारा 108 व कम्पनी (प्रबंधन व प्रशासन) नियम, 2014 की धारा 20 व 22 के अनुसार सूचना में बताये गये प्रयोजन की अनुमति ई—वोटिंग के माध्यम से भी दी जा सकती है और कम्पनी हर्ष के साथ रिमोट ई—वोटिंग की सुविधा अपने शेयरधारकों को दे रही है। इस सम्बन्ध में जानकारी नीचे दी जा रही है।

- ई वोटिंग शुरु होने की तिथि व समय : 20 मार्च 2025 प्रातः 9 बजे।
- ई वोटिंग समाप्ति की तिथि व समय : 18 अप्रैल 2025 सायं 5 बजे।
- ई वोटिंग 18 अप्रैल 2025 को सायं 5 बजे के बाद स्वतः बन्द हो जाएगी व स्वीकार नहीं की जाएगी।
- पूरी तरह से भरा हुआ पोस्टल बैलट फार्म स्कूटिनाइजर के पास 18 अप्रैल 2025 को सायं 5 बजे से पहले पहुँच जाना चाहिए। इसके बाद पोस्ट बैलट फार्म स्वीकार नहीं किए जायेंगे और यह माना जाएगा कि शेयरधारक ने जवाब नहीं भेजा है।
- कट ऑफ डेट 7 मार्च 2025 है। शेयरधारक जो कट ऑफ डेट पर कम्पनी की शेयरधारक सुविधि में डिपॉजिटरी की सूचि में शामिल थे, वे ही पोस्टल बैलट व ई—वोटिंग के माध्यम से वोट कर पायेंगे।
- कोई भी व्यक्ति जो कट ऑफ डेट पर कम्पनी का शेयरधारक था पर पोस्टल बैलट फार्म नहीं मिला है वो कम्पनी की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकता है या फिर कम्पनी या आरटीए को लिखकर प्राप्त कर सकता है।

ई वोटिंग से सम्बन्धित किसी भी जानकारी के लिए शेयरधारक एनएसडीएल की वेबसाइट <https://www.evoting.nsdl.com> से FAQ डाउनलोड करके व फोन नम्बर 022-24994600 पर सम्पर्क कर सकता है।

कृते कानपुर प्लास्टिपैक लिमिटेड

हस्ता10/-

(अंकुर श्रीवास्तव)

कंपनी सचिव

सवाल जवाब

सुधार के लिए आय वृद्धि व एफपीआई निवेश जरूरी

केनरा रोबेको एएमसी में इविटी प्रमुख श्रीदत्त भांडवलदार के अनुसार डॉलर सूचकांक के चरम पर पहुंचने और नई अमेरिकी नीतियों के कारण अमेरिकी बाजार की धारणा प्रभावित होने के साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सबसे बुरा दौर अब समाप्त होने की संभावना है। अभिषेक कुमार के साथ ईमेल बातचीत में भांडवलदार ने कहा कि अगर मूल्यांकन और आय वृद्धि आकर्षक हो जाते हैं तो एफपीआई निवेश सुधार सकता है। मुख्य अंश:



क्या भारी बिकवाली के बाद अब मूल्यांकन आकर्षक हो गए हैं?

मूल्यांकन 6-12 महीने पहले की तुलना में अब ज्यादा संतोषजनक है। मूल्यांकन का आकलन हमेशा आय अनुमानों और वृद्धि की अपेक्षाओं के लिहाज से किया जाता है और ये दोनों ही अगली 2-3 तिमाहियों के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं। आय अनुमानों के आधार पर लाजकैप मूल्यांकन 10-वर्षीय औसत 18-19 गुना एक वर्षीय आगामी आय के अनुरूप हैं। मिड-कैप अभी भी 25 गुना ऊपर कारोबार कर रहे हैं, जो ऐतिहासिक औसत से लगभग 10-15 प्रतिशत अधिक है। स्मॉलकैप ऐतिहासिक मूल्यांकन के मुकाबले 21 गुना पर कारोबार कर रहे हैं।

एफपीआई बिकवाली जारी रहने से क्या बाजारों में और गिरावट आ सकती है?

एफपीआई की निकासी भारत के समकक्ष देशों और ऐतिहासिक औसत की तुलना में ऊंचे मूल्यांकन, पिछली तीन तिमाहियों में आय से निराशा और चुनाव नतीजों के बाद अमेरिका की ओर पूंजी जाने की वजह से हुई है। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में वृद्धि ने भी उभरते बाजारों के प्रति निवेशक धारणा को कमजोर किया। हमारा अनुमान है कि हम एफपीआई बिकवाली का बुरा दौर पहले ही देख चुके हैं। डॉलर के चरम पर पहुंचने, नई अमेरिकी नीतियों से अमेरिकी धारणा और विकास को नुकसान पहुंचने से पूंजी अब उभरते बाजारों की ओर आने की संभावना है, बशर्ते आय वृद्धि-

मूल्यांकन दोनों आकर्षक हों।

बाजार की दिशा में बदलाव कैसे आ सकता है?

दो अंक की कॉरपोरेट आय वृद्धि और एफपीआई निवेश में बदलाव की संभावना से अगली 2-4 तिमाहियों में बाजार की दिशा बदल सकती है। हमें उम्मीद है कि कॉरपोरेट आय वृद्धि धीरे-धीरे दी अंक में वापस आ जाएगी, जो सरकारी पूंजी और राजस्व व्यय में सुधार, ब्याज दरों में कटौती और मुद्रा दबाव कम होने से घरेलू तरलता में सुधार के कारण आएगी।

मार्च तिमाही के नतीजे कैसे रहेंगे? क्या आपको कुछ सुधार की उम्मीद है?

हमें ज्यादा सुधार के आसार नहीं दिख रहे हैं। लेकिन हमें उम्मीद है

Sugar stocks sweeten as output forecast sours

Scripts surge up to 20% on ethanol demand boost

DEEPAK KOREGAONKAR
Mumbai, 18 March

Shares of sugar companies soared by as much as 20 per cent on the BSE during Tuesday's trading, driven by expectations of a significant drop in sugar production across the top three states — Maharashtra, Karnataka, and Uttar Pradesh. According to a PTI report, India's sugar production has fallen by 16.1 per cent to 23.71 million tonnes so far in the 2024-25 season.

The National Federation of Cooperative Sugar Factories (NFCSF) has revised its sugar production estimate for the current season to 25.9 million tonnes, a sharp decline from the 31.9 million tonnes produced in the previous season.

This forecast deviates notably from the Indian Sugar Mills Association's (ISMA's) initial projection of 27.2 million tonnes.

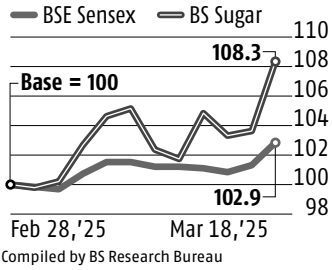
The NFCSF data indicates a significant dip in Maharashtra's output, which fell to 7.9 million tonnes by March 15, down from 10.04 million tonnes the previous year.

In the stock market, shares of Uttam Sugar Mills hit the 20 per cent upper circuit at ₹230.75 on news from India Ratings and Research (Ind-Ra) that the company's earnings before interest, tax, depreciation, and amortisation (Ebitda) are expected to recover by FY26, fuelled by higher sugar and ethanol sales, a rise in sugar prices, and investments in operational efficiency.

While ethanol sales in the first nine months of FY25 remained flat at 45.5 million litres, a higher allocation for the 2025 ethanol supply



UPTREND



year (ESY25) suggests a rebound in demand following the government's lifting of restrictions on the diversion of sugar for ethanol production.

However, Ind-Ra cautions that lower sugar recovery could lead to reduced production in FY25, potentially impacting net working capital and increasing leverage. Yet, a gradual reduction in inventory and Ebitda recovery is expected to improve leverage by FY26. Other sugar stocks also saw significant intraday gains, with Magadh Sugar & Energy surging 14 per cent to ₹585, Avadh Sugar & Energy rising 10 per cent to ₹429.5, and Dalmia Bharat Sugar and Industries climbing 9 per cent to ₹344.50.

The National Federation of Cooperative Sugar Factories revised its sugar production estimate for the current season to 25.9 mt

On the broader market front, the BSE Sensex gained 1.6 per cent, reaching an intra-day high of 75,385.

Amid lower sugar recovery, India's sugar production for the 2024-25 season is expected to fall short of previous estimates.

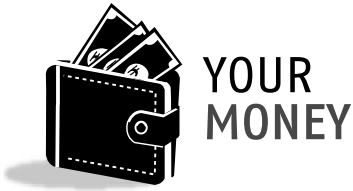
In response to rising fixed costs, sugar mills have raised prices, leading to a 7-9 per cent quarter-on-quarter increase in sugar prices across key states from January to March (Q4FY25).

Profitability for sugar mills is likely to remain robust, according to analysts at JM Financial Institutional Securities.

Despite strong sugar prices, the ethanol division may face margin pressure. Analysts point out that the distillery sector is unlikely to see significant margin improvements in Q4FY25 due to unchanged ethanol prices from B-heavy and juice routes.

In addition, the Indian government is working with Niti Aayog on a roadmap to increase ethanol blending to 25 per cent from 20 per cent.

This increase in blending could drive a 25 per cent boost in ethanol demand, further supporting the sugar industry's prospects. Long-term policy triggers are expected to favour the sector, though near-term policy changes may create some temporary challenges, according to analysts at Elara Capital.



CORRECTION IN SMALLCAP FUNDS

Trim exposure if it exceeds 20%, avoid complete exit

SANJAY KUMAR SINGH & KARTHIK JEROME

Smallcap funds have declined 21.6 per cent over the past three months. Many investors, who were highly bullish on this segment during the bull run of 2023 and 2024, are a shaken lot today. They must adopt the mantras of asset allocation and long-term investing to weather this phase.

Volatility may continue

The inflated valuations of smallcap stocks are getting corrected. "After Covid, small and midcap companies experienced faster growth than large caps, leading to significant rerating. The decline over the past six months reflects a reversal of this rerating," says Shreyas Devalkar, head-equity, Axis Mutual Fund.

The global climate is also contributing. "We are amid tremendous global uncertainty, which has the potential to reshape global trade. Markets are likely to remain volatile till

investors figure out the 'new normal'," says Shiv Chanani, senior fund manager-equity, Baroda BNP Paribas Mutual Fund. A few other factors have also played a part. "Aggressive foreign institutional investor (FII) selling and moderate quarterly earnings from Indian companies have also contributed. We expect the next quarter to remain volatile," says Nehal Mota, co-founder and chief executive officer (CEO), Finnovate.

Earnings-related uncertainty continues to weigh on small caps. "Though valuations have eased, uncertainty around earnings growth persists. These stocks are also not yet significantly undervalued," says Vishal Dhawan, chief financial planner, Plan Ahead Wealth Advisors.

Long-term outlook positive

Despite short-term headwinds, experts remain optimistic about the smallcap category. "As India

moves from being the world's fifth-largest economy to the third-largest, the smallcap space will continue to provide tremendous opportunity for wealth creation," says Chanani.

Government initiatives like the production-linked incentive (PLI) scheme and support for micro, small and medium enterprises (MSMEs) are strengthening Indian manufacturing and services.

"These measures will enhance the growth potential of smallcap companies," says Mota. Technology and financial firms, key segments within small caps, are set to grow rapidly. "Increased digital adoption, fintech expansion, and a robust financial ecosystem position these sectors for growth," adds Mota. The small and mid-cap space offers exposure to niche sectors not available in large caps. "Their smaller size and promoter-driven nature also provide the potential for faster growth," says Devalkar.

Chanani anticipates a turnaround as global trade stabilises

INVESTING FOR LONG TERM PAYS

Smallcap fund returns (%)	5-year	10-year
Nippon India	36.52	20.41
SBI	27.87	18.96
Quant	48.23	18.94
Axis	27.73	18.06
HSBC	32.61	17.83
Nifty (250 TRI)	31.37	13.4

Above one-year returns are compound annualised. Returns are of direct-growth plans. Source: Navigation RA

and earnings improve. "We expect earnings growth to accelerate from the first half of FY26, when the base becomes favourable," he says.

Dhawan adds that injection of ample liquidity and initiation of rate cuts by the Reserve Bank of India could also provide support to smaller firms.

Overexposure to one segment is risky

One takeaway from recent market movements is the importance of factoring in volatility, not just returns. "High beta funds rise faster than the market during upturns but fall more during downturns," says Abhishek Kumar, Securities and Exchange Board of India (Sebi)-registered investment adviser and founder, SahajMoney.com. This cycle has reinforced the need to avoid excessive exposure to any single segment.

Existing investors: Pare exposure

Investors should review their smallcap allocation. "Even with a long horizon, smallcap exposure should be limited to 10-20 per cent of the equity portfolio," says Dhawan.

Exiting entirely may not be wise. "Investors with long-term goals should hold on to their positions," says Kumar.

Continuing with systematic investment plans (SIPs) during downturns has paid off historically. "Whenever the market has fallen by more than 20 per cent, the average compounded annual growth rate over the next seven years plus has been around 20 per cent," says Mota.

Green card holders: Don't sign documents under pressure, experts warn

Indian green card holders returning to the United States are encountering tougher scrutiny, with some facing secondary inspections and overnight detentions by US Customs and Border Protection (CBP) officers. Some have been pressured into voluntarily surrendering their green cards by signing Form I-

407. Under the US Immigration and Nationality Act (INA), green card holders returning after an absence of more than 180 days are treated as seeking re-admission and can be assessed for inadmissibility.

While abandonment of residency is usually considered for absences exceeding a year,

lawyers say shorter trips are now drawing scrutiny.

What should green card holders do?

Ketan Mukhija, senior partner at Burgeon Law, advises caution. Do not sign Form I-407 without consulting an attorney. Green card holders are entitled to due

process and cannot lose their status without a hearing before an immigration judge. If detained or pressured at a port of entry, stay calm, request legal counsel, and avoid signing any documents without advice. Lawyers advise green card holders to carry documents proving their ties to the US to reduce complications.

COMPILED BY: SURBHI GLORIA SINGH



इण्डियन ओवरसीज बैंक
Indian Overseas Bank
समृद्धि और विकास के लिए (Prosperity and Growth for All)

Information Technology Department
Central Office: 763, Anna Salai, Chennai - 600 002

Indian Overseas bank (IOB) invites bids for the following:
GOVERNMENT E-MARKET PORTAL-PROCUREMENT OF END-TO-END SOFTWARE SOLUTION FOR IMPLEMENTATION OF ESG & CLIMATE RISK MANAGEMENT ALONG WITH CONSULTANCY SERVICES ON ENVIRONMENTAL, SOCIAL AND GOVERNANCE (ESG) AND CLIMATE RISK MANAGEMENT FOR THE BANK
BID NO: GEM/2025/B/0058087 DATED: 15.03.2025
The Above GEM Tender document is also available and can be downloaded from the following websites www.iob.in & www.gem.gov.in For Tender details and future amendments, if any, keep referring to the following website www.gem.gov.in
Note:- EOJ REFERENCE NUMBER: EOJ/OB/002/2024-25 DATED 07.10.2024 stands cancelled.



बड़ोदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेज लिमिटेड
Baroda Global Shared Services Ltd.
(A Wholly Owned subsidiary of Bank of Baroda)
CIN No. U79999MH2017GO292430


Regd. Office - 5th Floor, Baroda Sun Tower, C - 34, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051.

RFP for Implementation & Commissioning with Licensing of Microsoft Dynamics 365 Business Central ERP (Reissued-March-2025)

Baroda Global Shared Services Ltd. (BGSSL), 27th Floor, GIFT One Tower, GIFT City, Gandhinagar, Gujarat - 382355 invites Tenders for Implementation & Commissioning with Licensing of Microsoft Dynamics 365 Business Central ERP (Reissued-March-2025). Details of the Tender form are available under 'Tender Section' on the BGSSL website: www.bgssl.in. "Addendum" if any, shall be issued on the BGSSL website only and the bidder should refer to the same before final submission of the tender.

The last date of submission of the above Tender is 8th April, 2025 up to 15:00 Hrs IST.
Place: Gandhinagar
Date : 19th March, 2025

Head - Accounts Department
BGSSL, GIFT City, Gandhinagar
Ref- BGSSL/RFP/2024-25/Accounts/12



IIFL SECURITIES

CIN L99999MH1996PLC132983

Regd Office: IIFL House Sun InfoTech Park Road No. 16V Plot No. B-23, MIDC Thane Industrial Area Wagle Estate Thane - 400 604
Tel: (91 -22) 3929 4000 / 4103 5000/ 6272 7000 Fax (91 -22 2580 6654)
E-Mail Id - Secretarial@iifl.com Website:- www.iiflsecurities.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that **Ms. SWETA M BHEEMA REDDY METI** the Authorised Person of IIFL SECURITIES LIMITED. registered trading member, having her registration with BSE, NSE, MCX Ltd. bearing No. NSE: **AP1493387881**, BSE: **AP01017901142032**, MCX :- 152972, having office at H NO 193/1A WARD NO 10 , NEAR SHARANABASVESHWAR MATH, KARIHALLA, BAGALKOT, KARNATAKA, INDIA, 587101 is terminated by the undersigned on **29-11-2024**, and is in process of closure. Hence, any person henceforth dealing with the above mentioned Authorised Person should do so at their own risk. IIFL Securities Limited. shall not be liable for any dealings with them.

For any information/request/queries/placing orders we request you to contact on 022-40071000/ Email Id - cs@iifl.com.



KANPUR PLASTIPACK LTD

CIN: L25209UP1971PLC003444

Regd. Office-D-19-20, Panki Industrial Area, Kanpur-208 022
TEL: +91 (0512) 2691 113 - 6; FAX: +91(0512) 2691117;
Email: secretary@kanplas.com ; Web: www.kanplas.com

NOTICE OF POSTAL BALLOT AND E-VOTING

NOTICE is hereby given that, pursuant to Section 110 and other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 2013, (the "Act") together with Rule 20 and 22 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014, (the "Rules") and Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("Listing Regulations") including any statutory modification or re-enactment thereof for the time being in force, the consent of the shareholders of the Company for the resolution as set out in the notice is sought by way of Postal Ballot/e-Voting.

Notice of Postal Ballot with instructions of e-voting have been send on 18/03/2025 to all the shareholders of the Company as on **7th March, 2025 (Cut-off Date)** along with the statement of material facts pursuant to Section 102 of the Companies Act, 2013 through email at their registered email address and physical copies along with postal ballot forms to the shareholders whose email id is not registered with the Company. The above documents have also been uploaded on the website of the Company at www.kanplas.com. The Notice can also be accessed from the websites of the Stock Exchanges i.e. BSE Limited at www.bseindia.com and National Stock Exchange at www.nseindia.com, the Notice is also available on the website of NSDL i.e. www.evoting.nsdl.com.


Further, pursuant to Section 108 of the Companies Act, 2013 read with Rule 20 and 22 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014, the Businesses as set out in the notice will be transacted by electronic voting and the Company is pleased to provide remote e-voting facility to all its shareholders. The details, in this regard, are given herein below:

1. Date and time of Commencement of remote e-voting period: 20th March, 2025 (9:00 A.M.)
2. Date and time of Close of remote e-voting period: 18th April, 2025 (5:00 P.M.).
3. Remote E-Voting through electronic mode shall not be allowed beyond 5:00 p.m. on 18th April, 2025.
4. Fully filled postal ballot form should reach to the Scrutinizer before the closing of working hours (5:00 PM) on Friday the 18th April, 2025. Please note that any postal ballot form(s) received after the said date will be strictly treated as if no reply has been received from the Shareholder.
5. The cut off date for the entitlement of the e-voting is 7th March, 2025. A person whose name is recorded in the register of members or in the register of beneficial owners maintained by the depositories as on the cut off date only shall be entitled to avail the facility of remote e-voting as well as voting through postal ballot.
6. Any person who was the shareholder of the Company as on the cut-off date and not received the postal ballot form may download the same from the website of the Company or write to the Company or its RTA for the same.

For any queries regarding e-voting, you may refer to the Frequently Asked Questions (FAQs) for members and e-voting user manual for members available at the Downloads sections of https://www.evoting.nsdl.com or contact NSDL at Telephone No.: 022-2499 4600.

For Kanpur Plastipack Limited
Sd/-
(Ankur Srivastava)
Company Secretary

Place: Kanpur
Date: 18.03.2025



GOVERNMENT OF TAMIL NADU
FINANCE DEPARTMENT,
CHENNAI-9

Dated: March 18, 2025

PRESS COMMUNIQUE

It is notified for general information that the outstanding balance of **8.06% Tamil Nadu SDL, 2025** issued in terms of the Government of Tamil Nadu, Finance Department, Notification No.286(L)/W&M-II/2015, dated April 09, 2015 will be repaid at par on **April 15, 2025** with interest due up to and including **April 14, 2025**. In the event of a holiday being declared on the aforesaid date by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the loan will be repaid by the paying offices in that State on the previous working day. No interest will accrue on the loan from and after **April 15, 2025**.

2. As per sub-regulation 24(2) and 24(3) of Government Securities Regulations, 2007 payment of maturity proceeds to the registered holder of Government Security held in the form of Subsidiary General Ledger or Constituent Subsidiary General Ledger account or Stock Certificate shall be made by a pay order incorporating the relevant particulars of his bank account or by credit to the account of the holder in any bank having facility of receipt of funds through electronic means. For the purpose of making payment in respect of the securities, the original subscriber or the subsequent holders of such a Government Securities, as the case may be, shall submit to the Bank or Treasury and Sub-Treasury or branch of State Bank of India, where they are encased / registered for payment of interest, as the case may be, the relevant particulars of their bank account.

3. However, in the absence of relevant particulars of bank account/mandate for receipt of funds through electronic means, to facilitate repayment on the due date, holders of **8.06% Tamil Nadu SDL 2025** should tender their securities at the Public Debt Office, 20 days in advance. The securities should be tendered for repayment, duly discharged on the reverse thereof as under:-


"Received the Principal due on the Certificate".

4. It should be particularly noted that at places where the treasury work is done by a branch of the State Bank of India, the securities, if they are in the form of Stock Certificates, should be tendered at the branch of the bank concerned and not at the Treasury or Sub-Treasury.

5. Holders who wish to receive payment at places other than those where the securities have been encased for payment should send them duly discharged to the Public Debt Office concerned by Registered and Insured Post. The Public Debt Office will make payment by issuing a draft payable at any Treasury/Sub-Treasury or branch of State Bank of India conducting Government Treasury work in the State of **Tamil Nadu**.

T.Udhayachandran
Principal Secretary to Government,
Finance Department, Chennai-9.

DIPRI/ 283 /DISPLAY/2025



ASSAM POWER GENERATION CORPORATION LIMITED


NOTICE INVITING TENDER

E-Tenders are invited from the intending contractors/firms/suppliers for execution of "**Design, Supply, Erection, Installation, Testing and Commissioning of 01 (One) no. of Air-Cooled Heat Exchanger (ACHE) for Dresser Rand Make Gas Compressor Unit #8 at Phase-II of Lakwa Thermal Power Station (LTPS), APGCL, Maibella.**" required in **Assam Power Generation Corporation Limited under the Department of Power, Govt. of Assam**. An amount of Rs. 1,80,000.00 (Rupees One Lakh Eighty Thousand only) is to be submitted as EMD/Bid Security.

- The last date of submission of the tender document is **08/04/2025 (12:00 hours)**
- The bids will be opened online on the e-procurement portal on **09/04/2025 (12:00 hours)**

The TIA reserves the right to accept or reject any bid/tender, and to cancel/annul the bidding process and reject all bids at any time prior to contract award.

Name of the TIA : Chief General Manager (Gen), APGCL
Address of the TIA : 3rd Floor, Bijulee Bhawan, Paltanbazar, Guwahati-1
Sd/- Chief General Manager (Generation)
APGCL, Bijulee Bhawan, Guwahati-1



Dr.Reddy's

NOTICE OF LOSS OF SHARE CERTIFICATES

Notice is hereby given that the following Share Certificates issued by the Company are reported to have been lost or misplaced and the registered Shareholders/Claimants thereto have applied to the Company for the issue of duplicate share certificates.

S No.	Folio No.	Name of the Shareholder	Certificate No(s).	No. of Shares	Distinctive Nos. From - To
1	E00058*	Eapen I Padinjarekara	115799-115800	200	8234969- 8234988
			55851-55852	100	3425111- 3425210
2	B00225*	Bhatia Jayashree Ashok Bhatia Ashok Uttamchand	26715	128	94579241 - 94579368

*Shares of Rs.5/- face value **Shares of Rs.10/- face value

The public is hereby cautioned against dealing in any manner with the above share certificates. Any person(s) who has/have any claim in respect of the said share certificate(s) should lodge claim(s) at the Company's **Regd. Office: 8-2-337, Road No.3, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034** within 15 days of publication of this notice after which no claim(s) will be entertained and the Company will proceed to issue duplicate share certificate(s).

Place : Hyderabad
Date : 18-03-2025

For Dr. Reddy's Laboratories Limited
K Randhir Singh
Company Secretary, Compliance Officer and Head - CSR

Dr. REDDY'S LABORATORIES LIMITED
Regd. Office: 8-2-337, Road No.3, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034
CIN: L85195TG1984PLC004507, Tel: 91 40 4900 2900; Fax: 91 40 4900 2999
email: shares@drreddys.com; website:www.drreddys.com



MPL
MAITHON POWER LIMITED
(Contracts Department)

Maithon Power Ltd, Village: Dambhui, PO Barbindia, District-Dhanbad, State-Jharkhand PIN-828205

NOTICE INVITING EXPRESSION OF INTEREST

The Maithon Power Limited invites expression of interest from eligible vendors for the following package:-

Tender Ref:	PROCUREMENT OF PVC FILLS SUPPLY AND BLOCK PREPARATION AT MPL
MPL/MMD/RKS/2025-26/1500017983	
Tender Ref:	REPLACEMENT OF PVC FILLS IN IDCT FAN CELLS (UNIT# 1 & 2) AT MPL.
MPL/MMD/RKS/2025-26/2500019947	
Tender Ref:	INSPECTION & OVERHAULING OF GATES AND DAMPERS DURING U#1 AOH AT MPL.
MPL/MMD/RKS/2025-26/2000084417	

(AT 525 X 2 MW MAITHON POWER LIMITED (MPL), JHARKHAND -INDIA

For details of pre-qualification requirements, bid security, purchasing of tender document etc., please visit Tender section of our website (URL: <https://www.tatapower.com/tender>). Eligible vendors willing to participate may submit their expression of interest along with the tender fee for issue of bid document latest by **30th MAR' 2025**.

Government of Himachal Pradesh
Disaster Management Cell-HPSDMA, Department of Revenue
Program Management Unit
Himachal Pradesh Disaster Risk Reduction and Preparedness (HP DRRP) Program
H.P. Secretariat, Shimla,Phone:- 0177 2880320/
E-mail:- sdma-hp@nic.dot.in
E.O.I Number: Rev (DMC) (F)-11-50/2023-DRRP (AFD-III) (PMDC-AFD)/dated

EXPRESSION OF INTEREST FOR HIRING OF CONSULTING FIRM
Expressions of Interest are invited for hiring the services of a Consulting Firm for constituting and operating the Program Management and Design Consultancy (PMDC)forthe Himachal Pradesh Disaster Risk Reduction and Preparedness Program.The Consulting Firm is expected to provide professional services for constituting a PMDC to facilitate the Program's detailed design, procurement and execution.The details of the E.O.I and terms and conditions are available on our website<https://hpsdma.nic.in>.

The Interested parties may download the EOJ notice from <https://hpsdma.nic.in> website or may collect the Application document from the address below and submit their filled application latest by 7th April, 2025, 3 PM .The application may be forwarded to the Program Director, PMU-HP DRRPProgram, Room No.104, Yojana Bhawan, HP Secretariat, Shimla, Himachal Pradesh.Pincode-171002.

The undersigned reserves the right to reject any/ all the applications without assigning any reason thereof.

-sd/-
NISHANT THAKUR (HAS)
Program Director, (PMU) HPDRRP

1285_2024-2025